विचार बिन्दु

कामनाएँ समुद्र की भाँति अतृप्त हैं। पूर्ति का प्रयास करने पर उनका कोलाहल और बढ़ता है। –स्वामी विवेकानंद

बेहतर भविष्य के लिए ऊर्जा संरक्षण

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस देश में हर साल 14 दिसंबर को मनाया जाता है। ऊर्जा संरक्षण दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच ऊर्जा संसाधनों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। साथ ही ऊर्जा की खपत को कम करना और लोगों को इसे कुशलता से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है। किसी भी देश के विकास में विद्युत की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

भारत में, ऊर्जा संरक्षण अधिनियम 2001 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू किया गया था। ऊर्जा दक्षता ब्यूरों एक संवैधानिक निकाय है जो भारत सरकार के अंतर्गत आता है और ऊर्जा का उपयोग कम करने के लिए नीतियों और रणनीतियों के विकास में मदद करता है। ऊर्जा आज हमारी जिंदगी का अहम् हिस्सा और जरूरत बन गई है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की और प्रगति के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। थोड़े से समय के लिए बिजली चली जाने पर हमारे ज्यादातर जरूरी काम रुक जाते हैं।

विद्युत का उत्पादन एवं उपभोग करने वाले देशों में भारत का विश्व में तीसरा स्थान है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 3.48 लाख मेगावॉट बिजली उत्पादन करने की क्षमता है। जिसमें 2.22 लाख मेगावॉट थर्मल पावर से, 45 हजार मेगावॉट जल विद्युत से, 70 हजार मेगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी से, 7 हजार मेगावॉट परमाणु ऊर्जा से मिलती है। देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसदी अधिक 4.53 लाख मेगावॉट बिजली की जरूरत होगी। इसके लिए देश में पावर प्लांटों में 100 फीसदी बिजली उत्पादन करना होगा। अभी देश के 60 से अधिक पॉवर प्लांट अपनी कुल क्षमता का 50 से 55 फीसदी ही बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। पिछले दो दशकों में बिजली की खपत में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। भारत में बिजली उत्पादन का आधे से अधिक भाग कोयले और प्राकृतिक गैस को जलाकर हासिल किया जाता है।

आम आदमी को इस बात के लिए जागरूक करना चाहिए कि कार्यस्थल पर अधिक रोशनी वाले बल्ब से तनाव, सिर दर्द, रक्तचाप, थकान जैसी विभिन्न समस्यायें उत्पन्न होती है और श्रमिकों की कार्य कुशलता में भी कमी आती है। जबकि दिन के प्राकृतिक प्रकाश में श्रमिकों की कार्य कुशलता के स्तर में भी वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में भी कमी आती है।

आजादी के बाद देश में जनसंख्या विस्फोट और आधुनिक सेवाओं, विद्युतीकरण की दर तेज होने और शहरीकरण से ऊर्जा की मांग के साथ ऊर्जा की आवश्यकतों भी लगातार बढ़ी है। देश की बढ़ती आबादी के उपयोग के लिए और विकास को गति देने के लिए ऊर्जा की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। लेकिन ऊर्जा के उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यदि समय रहते हम ऊर्जा के श्रोत विकसित नहीं कर पाए तो एक बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है। यह भी कहा जा रहा है जिस गति से ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ रही है उसे देखते हुए ऊर्जा के संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। देश में पेट्रोलियम, गैस, कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं।

ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ ऊर्जा के अपव्यय से बचते हुए कम-से-कम ऊर्जा का उपयोग करना है ताकि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाया जा सकें। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को ऊर्जा संरक्षण के प्रयास किये जाने चाहिए। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति, लाईट, पंखे, एसी या किसी अन्य बिजली के उपकरण के अनावश्यक उपयोग को समाप्त करके घर या कार्यालय में छोटे-छोटे कदम उठाकर ऊर्जा की बचत कर सकता है।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को एसी या हीटर का उपयोग कम करना चाहिए क्योंकि दोनों उपकरण हर दिन बड़ी मात्रा में ऊर्जा की खपत करते हैं। सीएफएल बल्ब या स्मार्ट प्रकाश विकल्प ऊर्जा की खपत को कम कर सकते हैं। पानी गरम करने में भी बहुत अधिक ऊर्जा की खपत होती है। इसलिए कम गर्म पानी का उपयोग करने से बहुत अधिक ऊर्जा बचाई जा सकती है।

आम आदमी को इस बात के लिए जागरूक करना चाहिए कि कार्यस्थल पर अधिक रोशनी वाले बल्ब से तनाव, सिर दर्द, रक्तचाप, थकान जैसी विभिन्न समस्यायें उत्पन्न होती है और श्रमिकों की कार्य कुशलता में भी कमी आती है। जबकि दिन के प्राकृतिक प्रकाश में श्रमिकों की कार्य कुशलता के स्तर में भी वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में भी कमी आती है। घरों में पानी की टंकियो में पानी पहुँचाने के लिए टाइमर का उपयोग करके पानी के व्यर्थ व्यय को रोककर विद्युत उर्जा की बचत की जा सकती है। बिजली की बचत किए बिना विकसित राष्ट्र का सपना साकार नहीं हो सकता।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 14 जनवरी 2021

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2077, श्रवण नक्षत्र शुक्रवार प्रात: 5:04 तक, वज्र योग रात्रि 10:04 तक, बव करण प्रात: 9:02 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–धनु, चन्द्रमा–मकर, मंगल–मेष, बुध–मकर, गुरू–मकर, शुक्र–धनु, शनि–मकर, राहु–वृष, केतु–वृश्चिक राशि में।

आज माघ संक्रांति, सूर्य मकर राशि में प्रात: 8:15 पर प्रवेश करेगा। पूण्य काल सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन है। यूरेनम मार्गी दिन 2:10 पर होगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, मकर संक्रांति पर्व और गंगा सागर स्नान एवं यात्रा है। आज पौंगल (दक्षिण भारत) माघ विहु (आसाम) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:40 तक, चर 11:17 से 12:36 तक, लाभ-अमृत 12:36 से 3:13 तक, शुभ 4:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:50 तक।

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या

महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। आज अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक अड़चनें अभी बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा।

कुंभ

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बढ़ सकता है। आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यक्तिगत/धार्मिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में धार्मिक आयोजन सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

किसान की आर्थिक समृद्धि संपूर्ण समाज में आर्थिक संपन्नता लाएगी

भारत में कृषि क्षेत्र के अंतर्गत समस्याऐं आज ही पैदा नहीं हुई है अपितु यह बीते काफी समय से हमारी अर्थव्यवस्था व समाज में व्याप्त हैं। इसकी शुरुआत आजादी के प्रथम दशक में ही हुई थी जब खाद्य पदार्थों की अत्यंत कमी हो गई थी तथा हमें उसे आयात करना पड़ा। उस समय हरित क्रांति के माध्यम से खाद्य पदार्थों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त भी किया। पर हकीकत यह है कि देश तो खाद्य पदार्थों में आत्मनिर्भर बन गया परंतु किसान आर्थिक रूप से संपन्न नहीं हो पाया।

किसान भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण भाग है। आज भी भारत की दो तिहाई जनसंख्या ग्रामीण परिवेश से संबंधित है तथा कुल श्रमशक्ति का 70 प्रतिशत गांवों से ही आता है। तथा इस दो-तिहाई ग्रामीण जनसंख्या की मुख्य आय का स्रोत कृषि है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक भारत में करीब 120 मिलियन किसान हैं तथा 144 मिलियन वह व्यक्ति है जो कृषि के अंतर्गत दैनिक मजदूरी से अपना जीवन यापन करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि कृषि क्षेत्र इस विशाल जनसंख्या को समृद्ध आर्थिक जीवन देने में असक्षम है। इस बात की पुष्टि कृषि क्षेत्र के भारतीय अर्थव्यवस्था के जीडीपी में लगातार गिरते हुए वार्षिक अंशदान से की जा सकती है। वर्तमान समय में यह करीब 18 प्रतिशत ही है।

एक प्रकाशित रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक अगर 2011-12 से 2013-14 के 3 वर्ष के समय को ही देखा जाए तो यह पाया जाएगा कि कृषि क्षेत्र के अंतर्गत उपयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के फर्टिलाइजर्स का मूल्य 28 प्रतिशत बढ़ा है, पेस्टिसाइड्स का मूल्य 10.50 प्रतिशत बढ़ा है तथा डीजल का मूल्य 38.7 प्रतिशत अधिक हुआ है। निश्चित रूप से इस लगातार बढ़ती लागत ने किसान को आर्थिक घाटा तो दिया ही है परंतु इसके साथ साथ इस वित्तीय लागत की पूर्ति उसने विभिन्न प्रकार के ऋणों से की तथा जिसके ब्याज का भुगतान उसके जीवन में एक आर्थिक संकट की तरह बन गया तथा जो इसका सामना नहीं कर पाए

उन्होंने अपनी जीवन लीला को ही समाप्त करना उचित समझा।

कृषि व किसानों से संबंधित एक और विकट समस्या 'उनके पास उपलब्ध कृषि भूमि की मात्रा।' है एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कुल किसानों का 75 प्रतिशत वह है जिनके पास एक हेक्टर या उससे कम कृषि भूमि है। उसी तरह एक से दो हेक्टर तक की जमीन वाले किसान मात्र 10 प्रतिशत हैं। 10 हेक्टर से ज्यादा जमीन वाले किसानों की संख्या सिर्फ .24 प्रतिशत है। यह आंकड़ा यह बताता है कि किसानों

- **किसान के सम्पन्न होने पर उत्पादों की मांग बढ़ेगी जिससे रोजगार बढ़ेंगे**

की जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग अपने पास कृषि भूमि का एक छोटा सा टुकड़ा ही अपने स्वामित्व में रखता है। एक हेक्टर तक की जमीन वाले किसानों की प्रति माह आय मात्र रूपये 5247 है, जबकि उनका मासिक खर्च करीब रूपये 6020 है एक से 2 हेक्टर वाले जमीन के किसानों की मासिक आय मात्र रूपये 7348 है। 10 हेक्टर से ऊपर वाली जमीन के किसानों की मासिक आय रूपये 41388 ही है तुलनात्मक रूप से उनसे आर्थिक रूप में समृद्ध तो सरकारी व निजी क्षेत्र के वेतनभोगी कर्मचारी हैं।

इतनी विकट परिस्थिति से किसानों को निकालने के लिए सरकारों को एकमात्र हल तो तुरंत किसानों को यह देना चाहिए कि सरकार किसानों की फसलों का विक्रय मूल्य सुरक्षित करें। इसके अलावा सरकारी आर्थिक सुधारों के अंतर्गत कृषि क्षेत्र से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर में वित्तीय बजट को बढ़ायें ताकि किसानों को उनके कृषि क्षेत्र से संबंधित मूलभूत सुविधायें न्यूनतम लागत पर प्राप्त हो सके।

सरकारें यह भी ध्यान रखें कि किसान अगर आर्थिक रूप से समृद्ध होता है तो भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी। इसके फलस्वरूप विभिन्न प्रकार के उत्पादों की मांग बढ़ेगी जो अंतत: समाज में रोजगार में वृद्धि के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि करेगा।

यहां पर एक बात भी समझने योग्य यह है कि किसान अगर आर्थिक रूप से समृद्ध होता है तो समाज का प्रति व्यक्ति भी समृद्ध होगा जबकि एक व्यवसायी व उद्योगपति तुलनात्मक रूप से समाज के अन्य सभी व्यक्तियों को इतना समृद्ध नहीं कर पाते हैं।

– डॉक्टर पी एस वोहरा,
आर्थिक मामलों के जानकार

नशेडियो का अड्डा बनता जा रहा डॉ. करणी सिंह स्टेडियम

बीकानेर, (कासं)। शहर के सबसे बड़े खेल मैदान डॉ करणी सिंह स्टेडियम में अभ्यास करने वाली महिला खिलाडियों के साथ बदसलूकी हो रही है। जिसकी लिखित शिकायत स्थानीय पार्षद ने जिला कलक्टर को की है। फिर भी हालात जस के तस बने हुए है। जानकारी मिली है कि स्टेडियम में अलसुबह अभ्यास पर आने वाली बालिकाओं के साथ यहां अवैध रूप से संचालित होने वाली एकेडिमियों के अध्ययरत विद्यार्थी इन बालिकाओं के साथ छेड़खानी कर रहे है। सोमवार को भी स्टेडियम में एक बालिका से साथ धक्का मुक्की की एक घटना घटित हुई है। जिसके बाद अभिभावक भी सकते में आ गये हैं।

डॉ करणी सिंह स्टेडियम में आजकल रोज शाम को नशेडियों का अड्डा बनता जा रहा है। जब सुबह- सुबह खिलाडी यहां अभ्यास करने पहुँचते है तो चारो तरफ केवल शराब की बोतलें और डिस्पोजल ही नजर आते हैं। यहाँ

- **स्टेडियम में अभ्यास करने वाली महिला खिलाडियों के साथ आए दिन हो रही बदसलूकी**
- **अवैध रूप से संचालित होने वाली एकेडिमियों के विद्यार्थियों पर छेड़खानी करने का आरोप**
- **स्थानीय पार्षद ने लिखित शिकायत जिला कलक्टर को की**

के हालात देखकर लगता है स्टेडियम का कुछ हिस्सा शराबियों का ठिकाना बन गया है। यहां नशे का सेवन करने के बाद नशेड़ी सिगरेट,शराब की बोतलें सहित अनेक सामग्री बदहाल हालात में यहां बिखेर कर चले जाते है। इनको मना करने पर झगड़े पर उतारू हो जाते है। शायद यही वजह है की खिलाड़ी बड़ी संख्या यहाँ खेलने नहीं आ पा रहे हैं।

यहां बने साइकिलिंग ट्रैक पर भी शराब की बोतले टूटी हुई मिलती है। खेल स्टेडियम में खिलाडियों के लिए खेल का सामना तो दूर पेयजल तक की सुविधा नहीं है।

सुबह-सुबह यहाँ बड़ी संख्या में खिलाडी व तैयारी करने वाले स्टूडेंट यहां रनिंग करने के लिए आते है। लेकिन यहां स्थित रनिंग ट्रैक ही टूटा पड़ा है। जानकारी मिली है कि स्टेडियम में कई एकेडिमियां बिना अनुमति के ही संचालित हो रही है। जिसमें यहां आने वाले खिलाड़ी और उनके साथी बालिकाओं पर फिबतियां कसते नजर आते हैं । हालांकि उनको इस बारे में कई बार चेताया भी गया है। किन्तु स्थिति वहीं ढाक के तीन पात वाली बनी हुई है।

बालिकाओं की सुरक्षा के लिये स्कूल के ईदगिर्द महिला पुलिस कास्टेबल की पेट्रोलियम टीम की गश्त की व्यवस्था शुरू कर रखी है। किन्तु कोरोना काल के चलते स्कूलों का संचालन नहीं होने के कारण यह पेट्रोलियम टीमें भी शहर की सड़कों पर अब कम ही नजर आ रही हैं।

स्थानीय पार्षद, महेन्द्र सिंह बडगुजर का कहना है कि बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ की शिकायत आने के बाद जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा गया है। किन्तु अब तक इसको लेकर प्रशासन और पुलिस ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई है। अगर स्टेडियम में हो रही छेडछाड़ की घटनाओं पर पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की तो आन्दोलन का रास्ता ही अपनाना पड़ेगा।

चूरू में बुधवार को न्यूनतम पारा 2.2 डिग्री दर्ज

चूरू, (कासं)। शेखावाटी में पारे में बढ़ोतरी के बावजूद सर्दी कम नहीं हुई है। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में बुधवार को न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पिछले दिवस की तुलना में आज यहां न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही अधिकतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यहां पिछले दो दिन में अधिकतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में भी 0.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि पारे में हुई इस बढ़ोतरी का सर्दी के तीखे तेवरों पर कोई भी असर नहीं हुआ है। आज यहां सूर्य की मौजूदगी में दिनभर ठहर-ठहरकर तेज हवा चली। यहां सवेरे 10 बजे तक कड़ाके की ठण्ड रही। विभिन्न स्थानों पर लोगों ने अलाव जलाए।

कैप्टन अंकित को शहरवासियों ने अश्रुपूरित विदाई दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के कायलाना में सात दिन पूर्व हेलिकॉप्टर से कूदने के बाद डूबे कैप्टन अंकित का अंतिम संस्कार जोधपुर में ही सैन्य क्षेत्र स्थित डिगाडी गांव के श्मशान घाट में किया गया। कैप्टन अंकित के परिजनों ने जोधपुर में ही अंतिम संस्कार की इच्छा व्यक्त की थी। इधर आज सुबह उनके शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्ट मार्टम के पश्चात पार्थिव देह को 10 पैरा के मुख्यालय ले जाया गया। वहां उनके साथी जवानों व अधिकारियों ने उन्हें अंतिम सलामी देकर विदा किया। डिगाडी गांव में उन्हें विदाई देने के लिए सैकडों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा ।

सर्च ऑपरेशन के बाद सेना को मंगलवार को 10 पैरा के बेहतरीन कमांडो रहे कैप्टन अंकित का शव खोज निकालने में सफलता मिली थी। शव को बाहर निकाल मिलिट्री अस्पताल व उसके बाद बुधवार सुबह

- **परिजनों की इच्छानुसार सैन्य क्षेत्र स्थित डिगाडी जोधपुर में किया अंतिम संस्कार**

महात्मा गांधी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। सेना के कड़ी सुरक्षा घेरे में पार्थिव देह को एक सुसज्जित सैन्य वाहन में रख 10 पैरा मुख्यालय पहुंचाया गया। यहां पर उनके साथी कमांडो ने उन्हें अश्रुपूरित नेत्रों से अंतिम सलामी दी। रातानाड़ा स्थित 10 पैरा के मुख्यालय से पार्थिव देह को अंतिम संस्कार के लिए सैन्य क्षेत्र से सटे डिगाडी गांव के श्मसान स्थल ले जाया गया है।

कैप्टन अंकित का शव लगातार छह दिन तक पानी में डूबा रहा। इस कारण शरीर बहुत गल गया। परिजनों ने भारी मन से कल देर रात ही सेना को जोधपुर में ही दाह संस्कार करने की अपनी इच्छा से अवगत करवा दिया था। इसके बाद आज दोपहर में तीन बजे सेना ने दाह संस्कार की पूरी तैयारी की। पैरा कमांडो स्पेशल फोर्सेज का पूरे साल अभ्यास चलता रहता है। डेजर्ट वारफेयर में महारत रखने वाली 10 पैरा के कमांडो को एक हेलिकॉप्टर से पहले अपनी बोट को पानी में फेंक स्वयं भी कूदना था। इसके बाद उन्हें बोट पर सवार होकर दुश्मन पर हमला बोलना था। इस अभियान के तहत कैप्टन अंकित के नेतृत्व में 4 कमांडो ने कायलाना जलाशय में गुरुवार को पहले अपनी नाव को फेंका और उसके बाद खुद भी पानी में कूद पड़े।

रेलवे में विभिन्न पदों पर आयोजित भर्ती परीक्षा 28 दिसम्बर से

अजमेर, (कासं)। रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा देश भर में 35 हजार पदो के लिये आयोजित भर्ती परीक्षा 13 जनवरी को सपंन हुई, उपरोक्त परीक्षा 28 दिसम्बर शुरू हुई थी । आर आर बी अजमेर के अध्यक्ष के आर चौधरी के अनुसार उक्त परीक्षा में देश के करीब एक करोड़ 25 लाख अभ्यर्थी ने आवेदन किया था। बोर्ड द्वारा कोरोना गाईड लाइन व सोशल डिस्टेंटिंग का ध्यान रखते हुये यह परीक्षा विभिन्न चरणों में आयोजित की गई, चौधरी के अनुसार पहले चरण में अजमेर रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा लगभग 2 लाख 95 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। उक्त परीक्षा के लिये बोर्ड द्वारा राजस्थान के नौ शहरो में 46 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। जिन पर तीसरी आंख की नजर रखेगी गई थी। चौधरी ने बताया कि सभी 46 परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी

- **पहले फेज में 23 लाख अभ्यर्थी होगें शामिल**

कैमरों के माध्यम से अभ्यर्थियों पर नजर रखी गई। चौधरी ने बताया कि द्वितीय चरण की परीक्षा 16 जनवरी से शुरू हो जायेगी इस परीक्षा में करीब एक लाख 51 हजार अभ्यर्थी इस परीक्षा के लिये चयनित किये हैं। अजमेर रेलवे भर्ती बोर्ड चेयरमैन के आर चौधरी ने बताया कि यह परीक्षा स्टेशन मास्टर, लिपिक व गार्ड व विभिन्न पदो के लिये आयोजित की की गई। यह परीक्षा दो पारियों में आयोजित हुई।

दस्तावेजों के लिए राजस्थान बोर्ड को घर बैठे किया जा सकेगा ऑनलाइन आवेदन

डेबिड कार्ड, क्रेडिट कार्ड या नेटबैंकिंग के माध्यम से निर्धारित शुल्क अदा करना होगा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नये वर्ष में अपने से सम्बद्ध लाखों विद्यार्थियों के सुविधार्थ एक नवाचार करने जा रहा है। गत 40 वर्षों में राजस्थान बोर्ड में पंजीकृत करोडों परीक्षार्थी अब घर बैठे अपने मोबाइल के माध्यम से अपने परीक्षा दस्तावेज यथा-मार्कशीट, परीक्षा प्रमाण-पत्र और माईग्रेशन के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें डेबिड कार्ड, क्रेडिट कार्ड या नेटबैंकिंग के माध्यम से निर्धारित शुल्क अदा करना होगा।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. जारोली ने बुधवार को बोर्ड सभागार में इस नवीन व्यवस्था की शुरूआत करते हुए कहा कि बोर्ड के इस नवाचार से बोर्ड से सम्बद्ध लाखों परीक्षार्थियों को, जो राजस्थान ही नहीं अपितु देश और विदेश में कार्यरत है, जिन्हें बोर्ड दस्तावेज लेने के लिए बोर्ड के अजमेर मुख्यालय आना पडता था, वे अब घर बैठे अल्प समय में अपने दस्तावेज प्राप्त कर सकेंगे।

डॉ. जारोली ने बताया कि प्रतिलिपि दस्तावेज प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी को डेबिड कार्ड, क्रेडिट कार्ड या नेटबैंकिंग के माध्यम से निर्धारित शुल्क अदा करना होगा। आवेदक को बोर्ड की वेबसाइट पर अपना आधार कार्ड भी अपलोड करना होगा ताकि वास्तविक अभ्यर्थी ही परीक्षा दस्तावेज प्राप्त कर सके। आवेदक द्वारा दिये गये मोबाइल नम्बर पर आवेदन प्रक्रिया पूरी होते ही बोर्ड कार्यालय से आवेदन पंजीयन संख्या सन्देश के माध्यम से प्राप्त होगी। कार्यालय समय में दोपहर 2 बजे तक प्राप्त आवेदनों का निस्तारण उसी दिन किया जाकर आवेदक के परीक्षा

- **परीक्षा दस्तावेज तैयार होते ही सूचना पंजीकृत मोबाइल पर भेज दी जायेगी**

दस्तावेज जरिये स्पीड पोस्ट रवाना कर दिये जायेंगे। परीक्षा दस्तावेज तैयार होते ही इसकी सूचना भी आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नम्बर पर भेज दी जायेगी। दूसरे दिन आवेदक को स्पीड पोस्ट के जरिये भेजे गये परीक्षा दस्तावेज का स्पीड पोस्ट क्रमांक भी उपलब्ध करा दिया जायेगा ताकि वे अपने दस्तावेजों की ऑनलाईन ट्रेकिंग कर सके। बोर्ड का ध्येय है कि आवेदन के तीन कार्यदिवस के अन्दर चाहे गये दस्तावेज आवेदक के निवास स्थान पर पहुंच जाये।

इस अवसर पर बोर्ड सचिव अरविन्द कुमार सेंगवा ने बताया कि जहाँ कोरोना काल में सभी सरकारी और अर्द्ध सरकारी निकायों को अपने रोजमर्रा के कार्य करने में भारी परेशानी का सामना करना पड रहा था, वहीं दूसरी ओर राजस्थान बोर्ड ने प्रदेश के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अनेक नवाचार किये। बोर्ड ने अपने से जुडने वाले नये विद्यालयों को सम्बद्धता देने की प्रक्रिया पिछले दिनों ऑनलाईन कर दी थी। इस नई व्यवस्था से सम्बद्धता प्रदान करने की प्रक्रिया पूर्णतया: पारदर्शी हो गई। इसके साथ ही बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने वाले हजारों परीक्षकों और बोर्ड परीक्षा केन्द्र बनने वाले विद्यालयों की लेखा संबंधी शंकाओं का निस्तारण करने के लिए ऑनलाईन एप लॉन्च किया गया। इस एप पर दर्ज समस्याओं का निस्तारण आगामी कार्य दिवस में आवश्यक रूप से कर दिया जाता है। परीक्षा परिणामों की त्वरित घोषणा की दृष्टि से बोर्ड ने कोरोना काल में वर्ष 2020 के परीक्षाओं के सभी प्राप्तांक परीक्षकों से ऑनलाईन मंगवाये, जिसके कारण राजस्थान बोर्ड ने रिकार्ड न्यून समय एक माह में 20 लाख से भी अधिक परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणामों की घोषणा कर देश में इतिहास रच दिया। बोर्ड की सभी पाठ्यपुस्तकें, कोरोना काल में कम किया गया पाठ्यक्रम ऑनलाईन किया जा चुका है और शीघ्र ही बोर्ड की आगामी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सुविधार्थ मॉडल प्रश्न पत्र भी ऑनलाईन करने जा रहा है।